भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 18 नवंबर, 2026
जारी करने का समय:1340 घंटे

विषय: (i) दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में बना प्रचण्ड चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान], 20 नवंबर 2026 की दोपहर तक उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिणी ओडिशा के तटों (मछलीपट्टनम और पुरी के बीच) को पार कर सकता है। इस दौरान हवा की गति 90-100 किमी प्रति घंटा रहने और झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने की संभावना है।

(ii) इस प्रणाली के प्रभाव के कारण, 19-20 नवंबर 2026 के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 18 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक, पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज किया गया मौसम:

- असम के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता < 200 मीटर)।
- दर्ज की गई दृश्यता (< 200 मीटर): असम: जोरहाट 150।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (परिशिष्ट I और II):

- दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर मौजूद चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान] और अधिक तीव्र होकर आज, 18 नवंबर 2026 को सुबह 05:30 बजे (IST) उसी क्षेत्र में एक प्रचण्ड चक्रवाती तूफान में बदल गया है। यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा और आज, 18 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) उसी क्षेत्र में, लगभग 12.9°N अक्षांश और 85.4°E देशांतर के पास स्थित था। यह चेन्नई (तमिलनाडु) से लगभग 570 किमी पूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 580 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 590 किमी दक्षिण-पूर्व, त्रिंकोमाली (श्रीलंका) से 660 किमी उत्तर-पूर्व, गोपालपुर (ओडिशा) से 710 किमी दक्षिण और पुरी (ओडिशा) से 770 किमी दक्षिण में स्थित है। उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, इसके 20 नवंबर 2026 की दोपहर तक मछलीपट्टनम और पुरी के बीच उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार करने की संभावना है। उस समय यह एक प्रचण्ड चक्रवाती तूफान के रूप में होगा, जिसमें हवा की निरंतर गति 90-100 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।
- निचले क्षोभमंडल में, पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल में, सिक्किम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल में, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे दक्षिणी लक्षद्वीप क्षेत्र के ऊपर एक ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- मध्य क्षोभमंडल में, 33°N अक्षांश के उत्तर में, लगभग 70°E देशांतर के साथ एक कमजोर 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) एक 'ट्रफ' (trough) के रूप में मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 18-22 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18-24 नवंबर के दौरान केरल, माहे और रायलसीमा में; 22-24 नवंबर के दौरान लक्षद्वीप में; 24 नवंबर को तटीय कर्नाटक में; 23-24 नवंबर के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 21-24

नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 19-21 नवंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

- 23-24 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 18-20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 21 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- 23-24 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- 23-24 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 24 नवंबर को केरल और माहे में; 18 और 21 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 20 नवंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 18 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे, जो 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत:
- 21-22 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 21 नवंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 21-22 नवंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 20-23 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 20-22 नवंबर के दौरान विदर्भ; और 19 नवंबर तथा 22-24 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 21 नवंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में और 20-21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 18 नवंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 19-21 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 20-21 नवंबर के दौरान झारखंड; और 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 19-24 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 21-23 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 18 नवंबर तथा 22-24 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 19 नवंबर तथा 22-23 नवंबर के दौरान झारखंड; 21-22 नवंबर के दौरान बिहार; और 18 नवंबर तथा 21-23 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 20 नवंबर को झारखंड; और 18 व 21 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 18-20 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; तथा 18 व 21 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- 19 और 21 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 20-21 नवंबर को झारखंड; और 18 व 21 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 18 नवंबर और 21-24 नवंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 18-24 नवंबर के दौरान असम और मेघालय; तथा 18-19 नवंबर और 22-24 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर व्यापक स्तर तक बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान असम और मेघालय; तथा 18-21 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है। 20-21 नवंबर के दौरान असम और मेघालय में; और 19-21 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- इस सप्ताह पश्चिम भारत में मौसम में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

कोहरे की चेतावनी:

- 19-22 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी: यहाँ 70-80 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 18 नवंबर की शाम से इनकी गति कम होकर 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा) होने की संभावना है, और इसके बाद इसमें और कमी आएगी।
- दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: यहाँ 90-100 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 110 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 19 और 20 नवंबर को इनकी गति धीरे-धीरे कम होकर 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा) होने की संभावना है।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ 90-100 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 110 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 19 नवंबर को इनकी गति बढ़कर 100-110 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा) होने की संभावना है। इसके बाद, इनकी गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ 18 नवंबर की शाम तक 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है, जिसके बाद इनकी गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: यहाँ 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 19 नवंबर की सुबह से 20 नवंबर की दोपहर तक इनकी गति बढ़कर 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा) होने की संभावना है, और इसके बाद इसमें कमी आएगी।
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास और तटीय इलाकों में: 18 नवंबर तक 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 19 और 20 नवंबर को इनकी गति 50-60 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) हो सकती है, जिसके बाद इनकी गति कम हो जाएगी।
- आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के पास: उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके धीरे-धीरे और तेज होने की संभावना है; 19 नवंबर की सुबह तक हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे (झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटे) हो सकती है, और 19 नवंबर से 20 नवंबर की दोपहर को लैंडफॉल (तट से टकराने) के समय तक यह 90-110 किमी प्रति घंटे (झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटे) तक पहुंच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ओडिशा तट के पास: यहाँ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। 18 नवंबर की रात से इनके और तेज होकर 50-60 किमी प्रति घंटे (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटे) तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद, 19 नवंबर की सुबह से 20 नवंबर की दोपहर तक हवाएं और तेज होकर 70-80 किमी प्रति घंटे (झोंकों के साथ 90 किमी प्रति घंटे) तक पहुंच सकती हैं, और फिर धीरे-धीरे कम हो जाएंगी।

समुद्र की स्थिति:

- दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी: 18 नवंबर की दोपहर तक समुद्र की स्थिति बहुत खराब से लेकर अत्यंत खराब रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: वर्तमान में समुद्र की स्थिति बहुत खराब से लेकर अत्यंत खराब है। 20 नवंबर तक इसके और बिगड़ने (अत्यंत खराब से बहुत अधिक खराब होने) की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ समुद्र की स्थिति बहुत अधिक खराब है; 20 नवंबर को लैंडफॉल होने तक इसके ऐसे ही बने रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति में सुधार आएगा और 21 नवंबर की सुबह तक यह बहुत खराब से लेकर खराब स्तर पर आ जाएगी।
- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी: 18 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से लेकर बहुत खराब रहने की संभावना है।
- उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: 18 नवंबर की रात से 20 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से लेकर बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास: 20 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से लेकर बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।
- आंध्र प्रदेश और यनम तटों के पास: 18 नवंबर को समुद्र की स्थिति बहुत खराब से लेकर काफी उग्र रहने की संभावना है; 19 नवंबर की सुबह यह स्थिति उग्र से बहुत उग्र हो सकती है और 20 नवंबर को तूफान के तट से टकराने (लैंडफॉल) तक ऐसी ही बनी रहने की आशंका है। 21 नवंबर की सुबह तक स्थिति में सुधार होने की संभावना है, जब यह बहुत उग्र से खराब स्तर पर आ सकती है।
- ओडिशा तट के पास: 18 नवंबर की रात से 21 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।

स्टॉर्म सर्ज (तूफानी लहरों) की चेतावनी:

- तूफान के तट से टकराने (लैंडफॉल) के समय, सामान्य ज्वार-भाटे के स्तर से 0.5 से 1.2 मीटर ऊंची तूफानी लहरें (स्टॉर्म सर्ज) आ सकती हैं। इससे आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों (पश्चिम गोदावरी, कोनासीमा, काकीनाडा, विजयनगरम, श्रीकाकुलम और विशाखापत्तनम जिले) और ओडिशा के दक्षिणी तटीय इलाकों (गंजम, खुर्दा और पुरी) में पानी भर सकता है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- 18 नवंबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी।
- 19 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी।
- 21 नवंबर की सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी।
- 19 नवंबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी।
- 21 नवंबर की सुबह तक उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

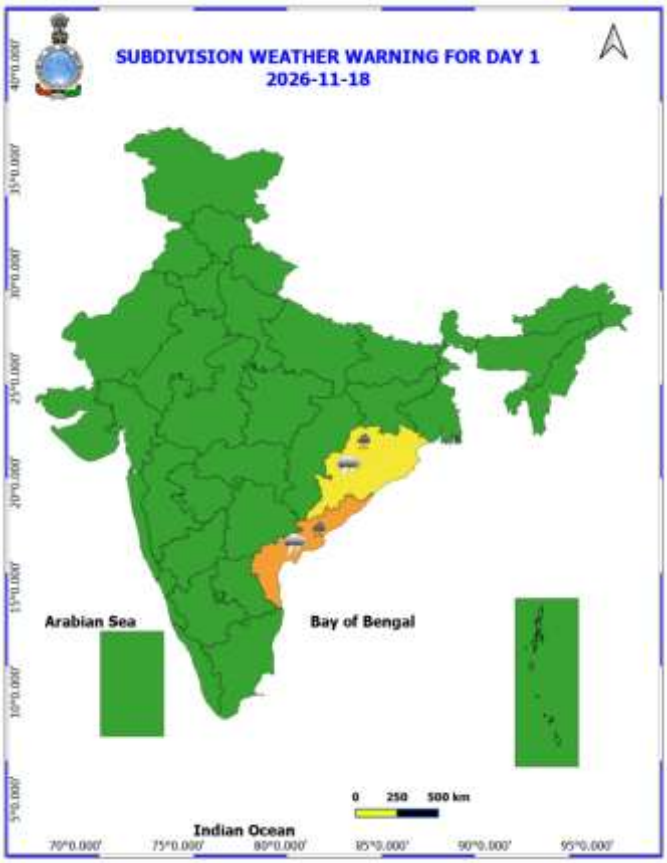
अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

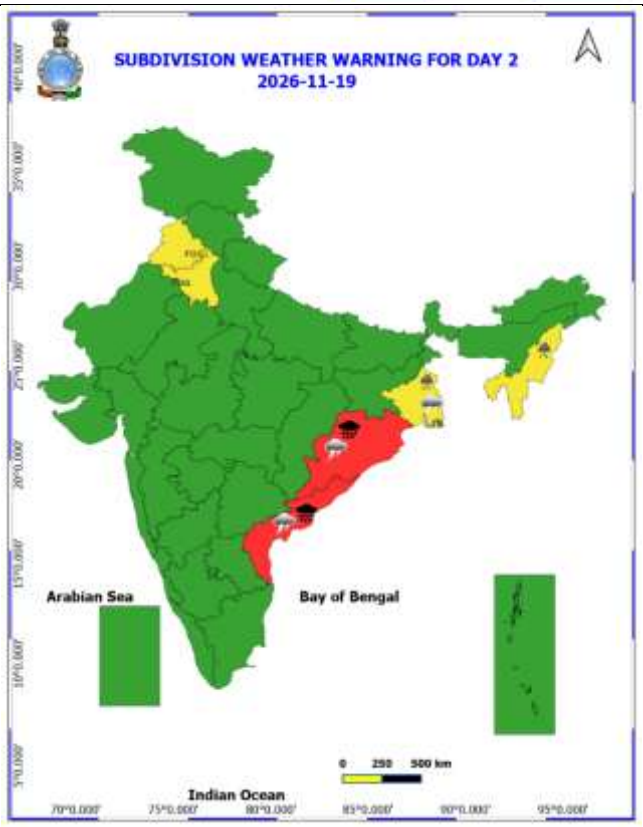
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

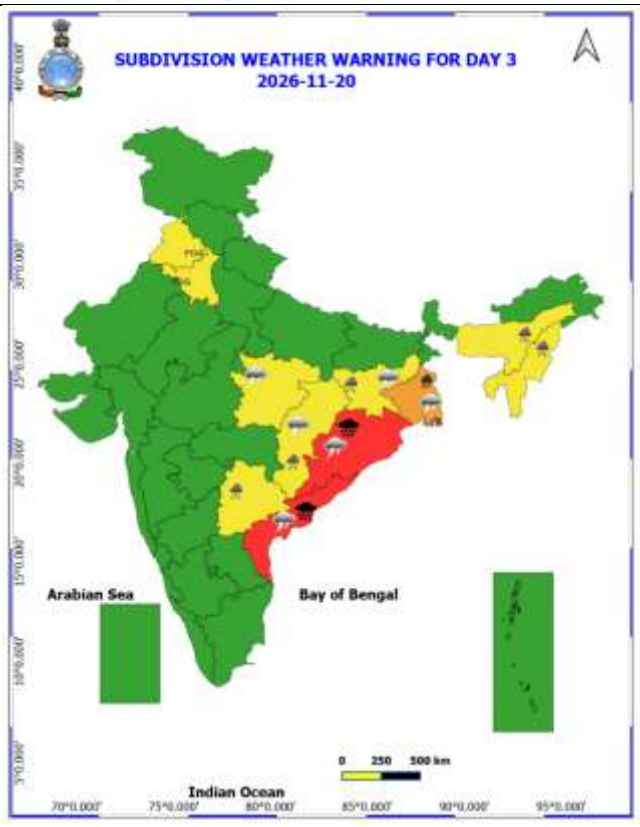
अनुलग्नक ।

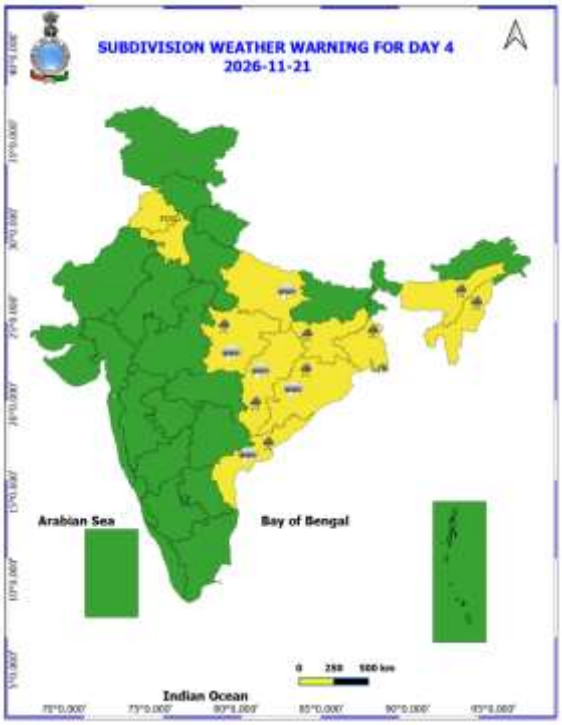
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Nov	19- Nov	20- Nov	21- Nov	22- Nov	23- Nov	24- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	DRY
7	ODISHA	SCT	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	DRY
8	JHARKHAND	DRY	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT

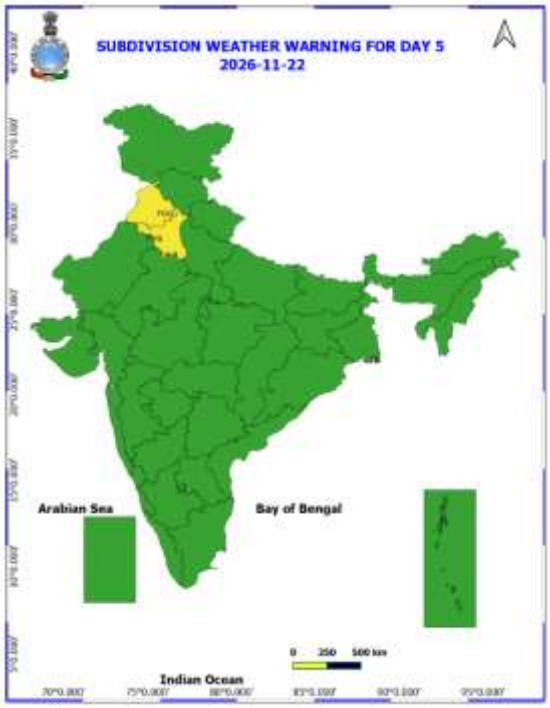
- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

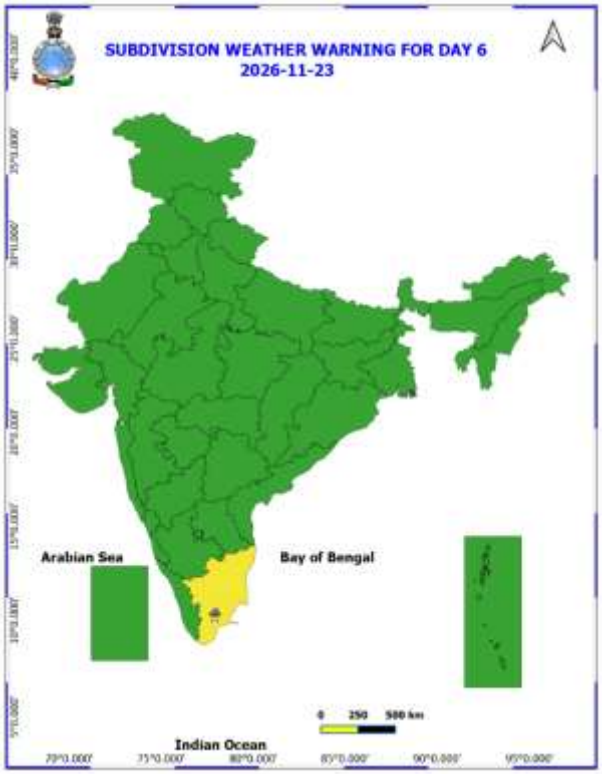

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-11-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

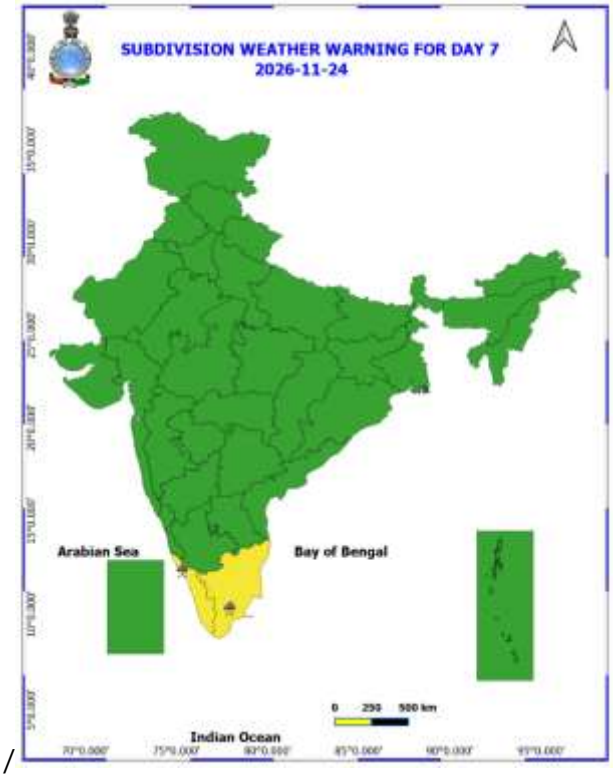

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km


SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km









/

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

18 नवंबर से 21 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की वृद्धि हुई है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 25-28°C के बीच और न्यूनतम तापमान 11-12°C के बीच दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान, दिल्ली के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। इसी तरह, अधिकतम तापमान भी कुछ जगहों पर सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिमी दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

18.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25-27°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि कुछ हिस्सों में यह सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रह सकता है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे तक की हल्की हवाएं चल सकती हैं।

19.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर हल्की धुंध (mist/shallow fog) छा सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 24°C से 26°C और न्यूनतम तापमान 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय उत्तर दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

20.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 24°C से 26°C और न्यूनतम तापमान 11°C से 13°C के बीच रहने की उम्मीद है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

21.11.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कई जगहों पर मध्यम कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 24°C से 26°C और न्यूनतम तापमान 13°C से 15°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) हो सकता है। वहीं, दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की दिशा बदलकर दक्षिण-पूर्व हो जाएगी और इसकी गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 19-20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल (गैंगेटिक वेस्ट बंगाल) में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

रात/सुबह के समय घने कोहरे का असर होने की संभावना:

- 19 से 22 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

- परिवहन और विमानन:
  - इस क्षेत्र के कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेल मार्गों पर असर पड़ सकता है।
  - कोहरे के कारण गाड़ी चलाना मुश्किल हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - अगर सावधानी नहीं बरती गई, तो सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

- बिजली क्षेत्र:
  •बहुत घने कोहरे वाले इलाकों में बिजली की लाइनें ट्रिप (बंद) हो सकती हैं।
- मानव स्वास्थ्य:
  •फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं: घने कोहरे में धूल-कण और अन्य प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो सकते हैं, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। इससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।
  •अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों पर असर: घने कोहरे के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी अन्य बीमारियों वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।
  •आंखों में जलन: घने कोहरे में कई तरह के प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने से आंखों की झिल्ली में जलन हो सकती है, जिससे संक्रमण हो सकता है और आंखें लाल हो सकती हैं या उनमें सूजन आ सकती है।

सुझाए गए उपाय:

- परिवहन और विमानन:
  - •गाड़ी चलाते समय या किसी भी वाहन से यात्रा करते समय सावधानी बरतें।
  - •गाड़ी चलाते समय फॉग लाइट्स (कोहरे में इस्तेमाल होने वाली लाइटें) का उपयोग करें।
  - •अपनी यात्रा के शेड्यूल के बारे में एयरलाइंस, रेलवे और राज्य परिवहन विभाग के संपर्क में रहें।
- बिजली क्षेत्र:
  - •मेंटेनेंस टीम को तैयार रखें।
  - •मानव स्वास्थ्य: जब तक बहुत जरूरी न हो, बाहर न निकलें और बाहर जाते समय अपना चेहरा ढक कर रखें।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- तटीय आंध्र प्रदेश में, यदि संभव हो तो धान, मक्का, मूंगफली, कपास और सब्जियों की तैयार फसलों के साथ-साथ केले और पपीते के पके फलों की तुरंत कटाई कर लें और कटी हुई उपज को किसी सुरक्षित स्थान पर रखें। रबी फसलों, जैसे मूंग, उड़द, मक्का और सनई की बुआई को फिलहाल टाल दें। धान, अरहर, कपास, मक्का, गन्ना, हल्दी, अदरक, रामतिल (नाइजर), राजमा, रागी और सब्जियों के खेतों; केले के बागानों; और पहले से बोई गई रबी मक्का व सनई की फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित प्रबंध करें। तेज हवाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए केले, कॉफी, काली मिर्च और अन्य बागानी फसलों को उचित सहारा (सपोर्ट) दें।
- ओडिशा में, यदि संभव हो तो धान, मक्का, रागी, मूंग, उड़द, मूंगफली और मौसमी सब्जियों की तैयार फसलों की तुरंत कटाई कर लें और कटी हुई उपज को किसी सुरक्षित और ढकी हुई जगह पर रखें। कपास के पूरी तरह से खुले हुए टिंडों (बॉल्स) को तोड़ लें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें। टमाटर, मिर्च और बैंगन जैसी सब्जियों की नर्सरियों को प्लास्टिक कवर या पॉलीथीन शीट से ढक दें। धान के खेतों, सब्जियों की नर्सरियों और हाल ही में बोई गई सरसों, मूंगफली, मूंग व उड़द की फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। कमजोर पौधों को लकड़ी की छड़ियों या बांस के डंडों का सहारा दें।
- गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, तैयार 'अमन' धान की तुरंत कटाई कर लें और कटी हुई उपज को किसी सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें। खड़ी फसलों, सर्दियों की सब्जियों और पान के बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित प्रबंध करें। भारी बारिश के दौरान आलू की रोपाई न करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान की कटी हुई उपज को जल्द से जल्द किसी सुरक्षित और ऊंचे स्थान पर रखें। रबी फसलों, जैसे चना, गेहूं, सरसों और सब्जियों (फूलगोभी, ब्रोकली, चुकंदर, देर से बोई जाने वाली खीरा और करेला) की बुआई को फिलहाल टाल दें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। केले और टमाटर के पौधों को सहारा दें; साथ ही करेला, लौकी और अन्य बेल वाली सब्जियों को भी सहारा (स्टेकिंग) दें।
- झारखंड में, धान की तैयार फसल की कटाई कर लें और उपज को किसी सुरक्षित स्थान पर रखें। सब्जी की नर्सरियों और आलू तथा दलहनी फसलों के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- तेलंगाना में, खरीफ धान, मक्का और हल्दी की परिपक्व फसलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी लगाने और रबी फसलों–जैसे ज्वार, मक्का, तिल, सूरजमुखी, कुसुम, चना, सरसों, मूंगफली, लोबिया, उड़द और मूंग–की बुवाई को अभी टाल दें। जिन खेतों में ज्वार, मक्का, मूंगफली और चना पहले ही बोए जा चुके हैं, वहां जल निकासी के लिए पर्याप्त रास्ते बनाएं ताकि अतिरिक्त वर्षा जल को जल्दी बाहर निकाला जा सके।

आंधी-तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह:

- कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को अच्छी तरह बांधकर ढक दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे अपनी जगह से हट न जाएं या उड़ न जाएं।
- बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें। सब्जियों और छोटे फलों के पौधों को खंभे या डंडे (स्टेकिंग) लगाकर सहारा दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे गिर न जाएं।

भारी बारिश के संभावित प्रभाव को देखते हुए पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन के लिए सलाह:

- ❖ भारी बारिश के दौरान पशुओं को शेड (बाड़े) के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ पशुओं के चारे और दाने को सुरक्षित जगह पर रखें ताकि वे खराब न हों।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली लगाकर पानी निकासी का रास्ता बनाएं, ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके और पानी ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल जाएं।

संकेत और संक्षिप्त नाम:

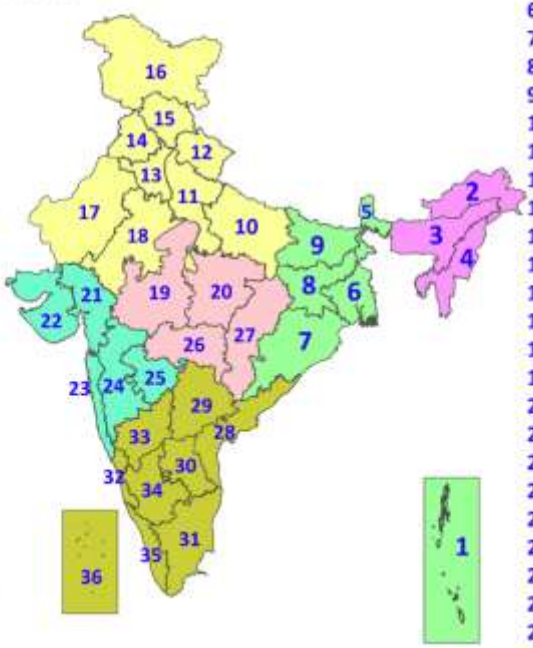
- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)